राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

RNI No. : MAHHIN/2011/24374

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

वर्ष : ११ अंक : १० मुंबई, शुक्रवार, ५ नवंबर से ११ नवंबर २०२१ पृष्ठ : ४ मुल्य : रू. २/-

चीन बढ़ा रहा हथियारों का जखीरा, 9 साल में 1000 परमाणु बम का टारगेट

भारत की बढ़ सकती है मुश्किलें?

वाशिंगटन : दुनिया को अंधेरे में रखकर चीन अपने परमाणु शक्तियों को लगातार बढा रहा है। पीपुल्स रिपब्लिक चाइना (पीआरसी) २०३० तक १,००० से अधिक हथियार बनाने के प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। पेंटागन की एक नई रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के रक्षा विभाग के मुख्यालय ने धचीन के जनवादी गणराज्य (पीआरसी) २०२१ को शामिल करने वाले सैन्य और सुरक्षा विकास शीर्षक के नाम से एक रिपोर्ट जारी किया है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है यह पिछले साल के पेंटागन के अनुमानों से काफी आगे निकल जाएगा। २०२० में, अमेरिकी रक्षा विभाग ने अनुमान लगाया था कि चीन के पास २०३० तक ४०० परमाणु हथियार होंगे।

अमेरिकी रक्षा विभाग की बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका के अधिकारियों ने एक साल पहले जो अनुमान लगाया था, चीन उससे कहीं अधिक तेजी से अपनी परमाणु शक्ति में वृद्धि कर रहा है। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की योजना शताब्दी के मध्य तक अमेरिकी वैश्विक शक्ति के बराबर पहुंचने या उससे कहीं आगे निकलने में सक्षम होने की है।

रिपोर्ट के अनुसार छह साल के भीतर चीनी परमाणु हथियारों की संख्या बढक़र ७०० तक हो सकती है और २०३० तक यह संख्या १,००० से ऊपर हो सकती है। हालांकि रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि अभी चीन के पास कितने हथियार हैं। लेकिन एक साल पहले अमेरिकी रक्षा विभाग मुख्यालय पेंटागन ने कहा था कि उसके परमाणु हथियारों की संख्या २०० से कम है और इस दशक के अंत तक इसके दोगुना होने का अनुमान है।

अमेरिका के पास अभी ३,७५० परमाणु हथियार हैं और इसे बढाने की उसकी कोई योजना नहीं है। २००३ तक अमेरिका के परमाणु हथियारों की कुल संख्या लगभग १०,००० थी। बाइडन प्रशासन (पृष्ठ 3 पर)

पुलिस ने किया सचेत, अश्लील वीडियो चैट से नहीं करें मेल

ब्लैकमेलर व ठगों से बचाएगी मुंबई पुलिस

मुंबई : सोशल मीडिया का इस्तेमाल आजकल वीडियो कॉलिंग के दौरान अश्लील चैट के लिए किया जा रहा है। इसके बाद कुछ अराजक तत्वों द्वारा चैट को रिकॉर्ड करके उसके वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर लाखों रुपए वसूल किए जाते हैं। पुलिस का कहना है कि इस प्रकार ब्लैकमेल करनेवालों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। यदि कोई ब्लैकमेल करता है तो पुलिस से संपर्क कर घटना की पूरी जानकारी देकर खुद को ठगने से बचाया जा सकता है। आम शब्दों में कहें तो अश्लील वीडियो चैट की भूल करनेवाले लोग घबराएं नहीं क्योंकि पुलिस आपके साथ है।

बता दें कि सोशल मीडिया पर आजकल ठग लड़कियां पहले तो आम लोगों को अपनी बातों में फंसाकर उनसे अश्लील वीडियो चैट करती हैं। इसके बाद उसका वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उनसे पैसे मांगती हैं। वीडियो वायरल होने और अपनी छवि खराब होने के डर से आम लोग ठग के बार-बार पैसे मांगने पर उन्हें पैसे देते रहते हैं और यह सिलसिला थमने का नाम नहीं लेता। ऐसे लोगों के साथ ठगी न हो इसलिए अब खुद पुलिस आगे आई है। पुलिस का कहना है कि यदि कोई वीडियो वायरल करने की धमकी देता है तो घबराएं नहीं और अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन में इसकी जानकारी दें।

ठाणे सायबर सेल उपायुक्त सुनील लोखंडे ने बताया कि किसी भी अनजान व्यक्ति से दोस्ती न करें और यदि अश्लील वीडियो चैट करने की भूल कर भी दी है, तो पुलिस से संपर्क करें और सोशल मीडिया पर मौजूद ठग की जानकारी पुलिस से साझा करें। ऐसा करने पर पुलिस आरोपी ठग को अन्य लोगों की ठगी करने से रोक सकती है। इतना ही नहीं, पुलिस शिकायतकर्ता की गोपनीयता को बरकरार रखते हुए उचित कार्रवाई करेगी।

पुलिस के अनुसार कई दफा वीडियो चैट में सामनेवाली महिला जो अश्लील कृत्य करती नजर आती है वह कोई अश्लील फिल्म की रिकॉर्डेड क्लिप होती है। इसे ठगों द्वारा मोबाइल के कैमरे को लैपटॉप के नजदीक ले जाकर दिखाया जाता है।

हनीट्रैप सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, तीन महिलाओं समेत सात धरे गये

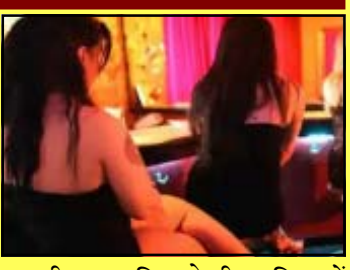

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे में कथित रूप से सेक्स रैकेट चलाने को लेकर सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वागले इस्टेट संभाग के सहायक पुलिस आयुक्त जयंत बाजबाले ने कहा कि ये लोग एक -दो एप के जरिए अपने ग्राहकों को फंसाते थे और फिर उन्हें ब्लैकमेल करते थे एवं उनसे पैसे ऐंठते थे।

उन्होंने कहा, ''जिन लोगों को वे फंसाते थे, वे जब किसी पूर्व निर्धारित जगह पर पहुंचते थे तब आरोपी उन्हें लूट लेते थे ।

श्री नगर पुलिस ने तीन महिलाओं समेत सात लोगों को जबरन बंधक बनाने, वसूली करने एवं अन्य अपराधों को लेकर आरोपी बनाया है। हमने ५०,००० रूपये नकद तथा वाहन जब्त किये हैं जो कुल मिलकार १.२० लाख रूपये के हैं।''

Let's Join Media to Fight Against Corruption & Crime
Low Cost Franchisee Opportunity

CRIME THE MOST WANTED T.V. NEWS

HAR-PAL T.V. NEWS

CIN Crime Investigation News

Contact : 7498535286

Website : www.crimeinvestigationharpaltv.com / Email : harpaltimes.press@gmail.com
Mumbai Office : 2-B, Nityanand Nagar, KC Marg, Opp. Reclamation Bus Depot, Behind ONGC Colony, Next to Lilavati Hospital, Bandra (W), Mumbai - 400 050.
Samhitha Residency, B1. Rkm Layout, Margondahalli, Banglore.

।। निर्भीक पत्रकारिता लोकतंत्र की आवश्यकता ।।

संपादकीय

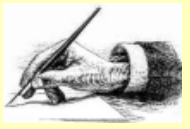

कोयले का विकल्प

कोयला के उपयोग पर लगाम लगाने के लिए विश्वव्यापी प्रयास पर्यावरण की दृष्टि से भले ही स्वागतयोग्य हों, लेकिन विकासशील देशों की आर्थिक प्रगति को इससे एक झटका लग सकता है। इसमें शक नहीं कि रोम की बैठक या ग्लासगो में चल रहे जलवायु सम्मेलन में कोयले के खिलाफ माहौल है, लेकिन जमीनी हकीकत व व्यावहारिकता देखते हुए ही कोई फैसला करना चाहिए। भारत अगर कोयले का विकल्प नहीं खोज पा रहा है, यदि परमाणु, पनबिजली और अक्षय ऊर्जा में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो पा रही है, तो वह कोयले का इस्तेमाल कम करने का वादा कैसे कर सकता है? ज्यादातर देश कोयले से तत्काल पीछा नहीं छुड़ा सकते। प्रदूषण रहित ऊर्जा की मंजिल अभी दूर है और इसके लिए विकसित देशों को विशेष रूप से प्रयास करने पड़ेंगे। सबसे अच्छी बात यह कि जो दुनिया जलवायु के मोर्चे पर राष्ट्रपति ट्रंप के समय ठहर गई थी, वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के समय आगे बढ़ी है।

जलवायु सम्मेलन में भारत की ओर से यह बात उचित ही सामने आई है कि भारत को न्यूक्लियर सप्लायर ग्रुप (एनएसजी) में शामिल किया जाए। हां, परमाणु ऊर्जा कोयला जनित ऊर्जा का मजबूत विकल्प हो सकती है, लेकिन परमाणु ऊर्जा के लिए हमारे पास यथोचित संसाधन नहीं हैं। संसाधन इसलिए नहीं मिल रहे, क्योंकि भारत एनएसजी में नहीं है। भारत एनएसजी में इसलिए नहीं है, क्योंकि यहां उसकी राह में चीन रोड़ा है। वह कभी नहीं चाहेगा कि भारत की परमाणु ताकत बढ़े या भारत हरित ऊर्जा के मामले में कामयाब देश हो जाए। भारत की ओर से एनएसजी सदस्यता की बात बिल्कुल सही समय पर सामने आई है। जी-२० की बैठक में शामिल होने के लिए चीन के राष्ट्रपति आए ही नहीं, लेकिन भारत की शिकायत उन तक जरूर पहुंची होगी। भारत का परमाणु रिकॉर्ड बहुत अच्छा है, लेकिन इसके बावजूद चीन बाधा बन रहा है। अमेरिका बहुत पहले से सहमत है कि भारत को एनएसजी की सदस्यता मिलनी चाहिए। ध्यान रहे, भारत में २८१ कोल पॉवर प्लांट हैं, जबकि २८ तैयार हो रहे हैं और २३ अन्य प्रस्तावित हैं। कोयला भारत की मजबूरी है और चीन की भी। चीन में तो १,००० से ज्यादा प्लांट हैं और लगभग २५० प्लांट निर्माणाधीन हैं। अत: चीनी राष्ट्रपति का रोम या ग्लासगो न पहुंचना बहुत आश्चर्य का विषय नहीं है।

आज जलवायु व पृथ्वी को बचाने के लिए बड़े और शक्तिशाली देशों का सहमत होना ज्यादा जरूरी है। जी-२० देशों के नेता कोयले से बिजली बनाना खत्म करने के बारे में किसी तरह की आश्वासन नहीं दे सके हैं। भारत जैसे कई देश कह चुके हैं कि वे कोयले का इस्तेमाल बंद नहीं करेंगे। भारत ने तो कार्बन उत्सर्जन रोकने के लिए लक्ष्य तय करने तक से इनकार कर दिया है। भारत की स्थिति छिपी नहीं है, विकास तेज करने के लिए भारत को सस्ती ऊर्जा चाहिए। सस्ती ऊर्जा से अगर हम दूर जाएंगे, तो गरीबी और भूख से कैसे मुकाबला करेंगे? कमोबेश ऐसी ही मंशा दूसरे देशों की भी है। जो विकसित है, उसे और धन की तमन्न है और जो पिछड़ा या विकासशील है, उसे अपने विकास की चिंता सताने लगी है। अचरज नहीं कि इटली के रोम में हुआ जी-२० सम्मेलन विशेष प्रगतिशील कदम साबित नहीं हो पाया, क्योंकि दुनिया के सबसे ताकतवर २० देश कोई बड़ा वादा नहीं कर पाए।

सुबह-सुबह खाली पेट करें गिलोए और शहद का सेवन, पेट की चर्बी हो जाएगी गायब

वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। न कोई ऐसा मंत्र है और न ही कोई ऐसा आहार जो चुटकियों में आपका वजन कम कर सके। स्वस्थ तरीके से वजन घटाने के लिए पौष्टिक भोजन करना बहुत जरूरी है। अब अगर आपने वजन घटाने के बारे में सोच ही लिया है, तो नियमित व्यायाम और पौष्टिकता से भरपूर भोजन करने के साथ आप एक अन्य उपाय भी अपना सकते हैं। वो है गिलोय। गिलोय एक औषधीय पौधा है, जो कई तरह के स्वास्थ्य लाभों के लिए मशहूर है। माना जाता है कि यह वजन कम करने में आपकी बहुत मदद करता है।

क्या कहती है स्टडी : स्टडी के अनुसार, गिलोय के पौधे में एडिपोनेक्टिन और लेप्टिन होता है। ये दोनों ही शरीर से विषक्त पदार्थों को बाहर निकालकर वजन को बढ़ने से रोकने में कारगार सिद्ध हुए हैं।

गिलोय वजन घटाने में कैसे मदद करता है : विशेषज्ञों के अनुसार, गिलोय में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो प्रतिरक्षा को मजबूत बनाने और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करते हैं। इससे शरीर विभिन्न बीमारियां और संक्रमण से बचा रहता है। इस आयुर्वेदिक जडी-बूटी को चयापचय को बढावा देने के लिए जाना जाता है, जिससे बदले में वजन कम हो जाता है।

इम्यूनिटी को स्ट्रांग बनाए : गिलोय रेडिकल्स को कम करने में बहुत हेल्प करता है और यह एंटीऑक्सीडेंट का पॉवर हाउस भी है। यह सेल्स को स्वस्थ्य रखने के साथ दर्द से भी राहत दिलाता है।

ब्लड को शुद्ध करने के अलावा लिवर और यूरीनेरी ट्रेक्ट इंफेक्शन के

उपचार के लिए यह जडी-बूटी बहुत अच्छा विकल्प है। गिलोय में कुछ यौगिक आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को भी उत्तेजित कर सकते हैं और आपको बैक्टीरिया और अन्य रोगजनकों से बचा सकते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल करे : डायबिटीज वाले लोगों के लिए गिलोय वरदान है। ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में यह औषधीय पौधा बहुत अच्छा काम करता है। अच्छे रिजल्ट्स देखने के लिए डायबिटीज से पाडित लोगों को सुबह उठकर सबसे पहले गिलोय का जूस पीना चाहिए।

लैब में जानवरों और सेल्स पर किए गए कई अध्ययनों से पता चलता है कि गिलोय सेल्स को कम इंसुलिन प्रतिरोधी बनाकर रक्त शर्करा को कम करता है। यह रिसर्च लैब में जानवरों में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम कर सकता है।

पाचन में मदद करे : गिलोय पाचन में सुधार और इरिटेटिंग बाउल सिंड्रोम के इलाज में बहुत फायदेमंद है। गिलोय और आंवला का रस का सेवन कर आप पाचन और आंत के स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं।

स्ट्रेज मैनेज करे : तनाव को दूर करने के लिए गिलोय एक बेहतरीन आयुर्वेदिक घरेलू नुस्खा है। अक्सर तनाव में रहने वाले लोग अपने मानसिक स्वास्थ्य के साथ याददाश्त में सुधार और एकाग्रता बढाने के लिए भी गिलोय का सेवन कर सकते हैं।

वजन घटाने के लिए गिलोय का सेवन कैसे करें : गिलोय, एलोवेरा और शिलाजीत जैसे अन्य पौधों के साथ मिलकर यह बहुत फायदा पहुंचाता है। यह न केवल पाचन में सुधार करता है बल्कि वजन घटाने के तरीकों में से भी एक है। वजन कम करने के लिए अगर आप गिलोय का सेवन करना चाहते हैं, तो आधा ग्राम गिलोय का रस लें और इसमें एक चुटकी शहद मिला ले। इसे आप सुबह-सुबह खाली पेट खाएंगे, तो कुछ ही दिनों में वजन में बहुत अंतर देखने को मिलेगा।

आमतौर पर गिलोय का रस शरीर की इम्यूनिटी और मेटाबॉलिज्म को बढावा देने के लिए जाना जाता है। इस औषधीय पौधे के रस में पेट के स्वास्थ्य में सुधार लाने की अच्छी क्षमता है, जो इसे वजन घटाने के लिए बहुत ही लोकप्रिय उपाय बनाता है। बावजूद इसके गिलोय को अधिक मात्रा में उपयोग न करने की सलाह दी जाती है।

महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 'नो वैक्सीन नो राशन'

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आगामी ३० नवंबर तक राज्य में सौ प्रतिशत वैक्सीनेशन का टारगेट प्रशासन को दिया है। इस टारगेट को पूरा करने के लिए राज्य के औरंगाबाद शहर के जिलाधिकारी सुनील चव्हाण ने एक प्रभावी कदम उठाया है। उन्होंने मंगलवार रात को 'नो वैक्सीनेशन नो राशन' का आदेश निकाला है। इसके अलावा जिन सरकारी और निजी कर्मचारियों को वैक्सीन नहीं लगी है। उन्हें दिसंबर माह का वेतन भी ना देने को कहा गया है। औरंगाबाद शहर में सिर्फ ५५% लोगों को ही कोरोना की वैक्सीन का पहला डोज़ लग पाया है जबकि दूसरा डोज़ सिर्फ २२% लोगों को ही लगा है। इस बात को लेकर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने नाराजगी भी जाहिर की थी।

कम वैक्सीनेशन वाले जिलों की जानकारी लेंगे पीएम : सोमवार तक औरंगाबाद जिले में २३ लाख ८० हज़ार १७५ लोगों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज जबकि ७ लाख २८ हज़ार ४३५ लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज़ लग चुकी है। इस तरह यह सिर्फ २२ प्रतिशत ही है। देशभर के ४५ जिलों की जानकारी पीएम लेंगे। इन जिलों के टीकाकरण का प्रतिशत काफी कम है। जिसमें महाराष्ट्र के हिंगोली, लातूर, नंदूरबार, बुलढाणा, अकोला शामिल हैं।

जिले में ८०२ राशन की दुकानें : फिलहाल औरंगाबाद जिले में ८०२ राशन की दुकानें हैं वहीं राशन कार्ड धारकों की संख्या ५ लाख ५० हजार है। एक कार्ड पर ४ से ५ लोगों के नाम होते हैं। इस तरह से तकरीबन २२ लाख लोग सरकारी राशन की दुकान से मिलने वाले अनाज पर आश्रित हैं। ऐसे लोगों ने अगर कोरोना की वैक्सीन नहीं लगवाई है तो उन्हें राशन न देने का आदेश जिलाधिकारी ने दिया है। यदि यह प्रयोग सफल रहा तो इसे बड़े पैमाने पर शुरू किया जाएगा।

पुणे में पानी की मोटर... (पृष्ठ 4 का शेष)

पुलिस के मुताबिक ज्ञानोबा म्हस्के पानी की मोटर शुरू करने गए हुए थे। तभी पांच लोगों ने मिलकर उनपर हमला कर दिया। जब ज्ञानोबा मस्के पर लोहे के रॉड और लाठियों से हमला किया गया तो उन्हें बचाने के लिए आई उनकी पत्नी पर भी हमला किया गया।

पहला डायग्नोस्टिक ... (पृष्ठ 4 का शेष)

के प्रकोप के दौरान कस्तूरबा अस्पताल ने मरीजों का इलाज शुरू किया। तब से कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है। मुंबई में पहला डायग्नोस्टिक सेंटर (पीसीआर लैब) कस्तूरबा अस्पताल में शुरू किया गया था।

जंबो कोविड सेंटर्स होंगे... (पृष्ठ 4 का शेष)

समय में कोरोना बुरे दौर से गुजर रहा है। मनपा की ओर से टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और ट्रेसिंग नीति के चलते कोरोना पर कंट्रोल करने में हम सफल हुए हैं। पहली, दूसरी के साथ-साथ तीसरी लहर पर भी हमने काबू पा लिया है। मुंबईकरों को सहूलियत के अनुसार सशर्त छूट दी जा रही है लेकिन अब कोरोना कम हो गया है, नए मरीजों की संख्या भी घटने लगी है। ऐसे में जंबो कोविड सेंटर्स में बहुत कम मरीज बचे हैं। यदि दिसंबर तक यही हाल रहा तो ६ में से ज्यादातर सेंटर्स बंद कर दिए जाएंगे। इस पर मनपा के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होगी।

चीन बढ़ा रहा हथियारों... (पृष्ठ 1 का शेष)

अपनी परमाणु नीति की व्यापक समीक्षा कर रहा है। पेंटागन की यह रिपोर्ट दिसंबर २०२० तक जुटाई गई जानकारी पर आधारित है और इसलिए इसमें जनरल मार्क मिले की उन चिंताओं को शामिल नहीं किया गया है जो उन्होंने पिछले महीने चीनी हाइपरसोनिक हथियार परीक्षणों को लेकर जतायी थी।

लकी ड्रॉ के लालच से सावधान! मुंबई पुलिस का नागिरकों से आह्वान

मुंबई : दिवाली पर नए कपड़े, आभूषण, वाहन, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक चीजों सहित अन्य वस्तुओं की खरीददारी काफी बढ़ जाती है। बड़ी संख्या में लोग खरीददारी के लिए शुभ मुहूर्त के साथ-साथ अच्छे ऑफर का भी इंतजार करते हैं। ऑनलाइन शॉपिंग के बढ़ते ट्रेंड के कारण ऑफर और खासकर लकी ड्रॉ का क्रेज भी लोगों में काफी बढ़ा है। लोगों में बढ़ते इस नए ट्रेंड का लाभ साइबर के सेंधमार अपनी दिवाली चमकाने के लिए कर रहे हैं। लकी ड्रॉ का झांसा देकर साइबर के ठग लोगों के बैंक खाते में सेंधमारी कर रहे हैं। ऐसे मामले सामने आने के बाद मुंबई पुलिस ने लोगों से लकी ड्रॉ से सावधान रहने का आह्वान किया है।

बता दें कि दिवाली के मौके पर हैकर्स और ऑनलाइन धोखाधड़ी करनेवाले स्वैंमर्स लोगों से ठगी करने के लिए नई-नई तरकीबों के साथ सक्रिय हो गए हैं। साइबर अपराधी लोगों को मोबाइल पर, फेसबुक, व्हॉट्सऐप व दूसरी सोशल नेटवर्किंग साइटों के जरिए दिवाली गिफ्ट, गिफ्ट वाउचर, शॉपिंग ऑन बिग डिस्काउंट या लॉटरी, लकी ड्रॉ का मैसेज भेजकर अकाउंट खाली करने में जुटे है। ऐसे में मुंबई पुलिस ने नागरिको से इस तरह के ऑफरों से बचने का आह्वान किया है।

मुंबई पुलिस की साइबर सेल के अनुसार ठग फर्जी ई-कॉमर्स वेबसाइट्स के जरिए मोबाइल, लैपटॉप्स, टीवी और दूसरे प्रोडक्ट्स को काफी डिस्काउंट के साथ बेचने का दावा कर रहे हैं। इनके झांसे में आकर नागरिक ऑनलाइन पेमेंट कर रहे हैं और उनके पैसे साइबर क्रिमिनल तक पहुंच जाते हैं। इन फर्जी साइट्स को कई तरीकों से प्रमोट किया जाता है। इस वजह से कई लोग इनके लालच में फंसकर पैसे गवां देते हैं। इसके लिए इस तरह के ऑफरवाले लिंक से बचने का आह्वान साइबर सेल के तरफ से किया गया है

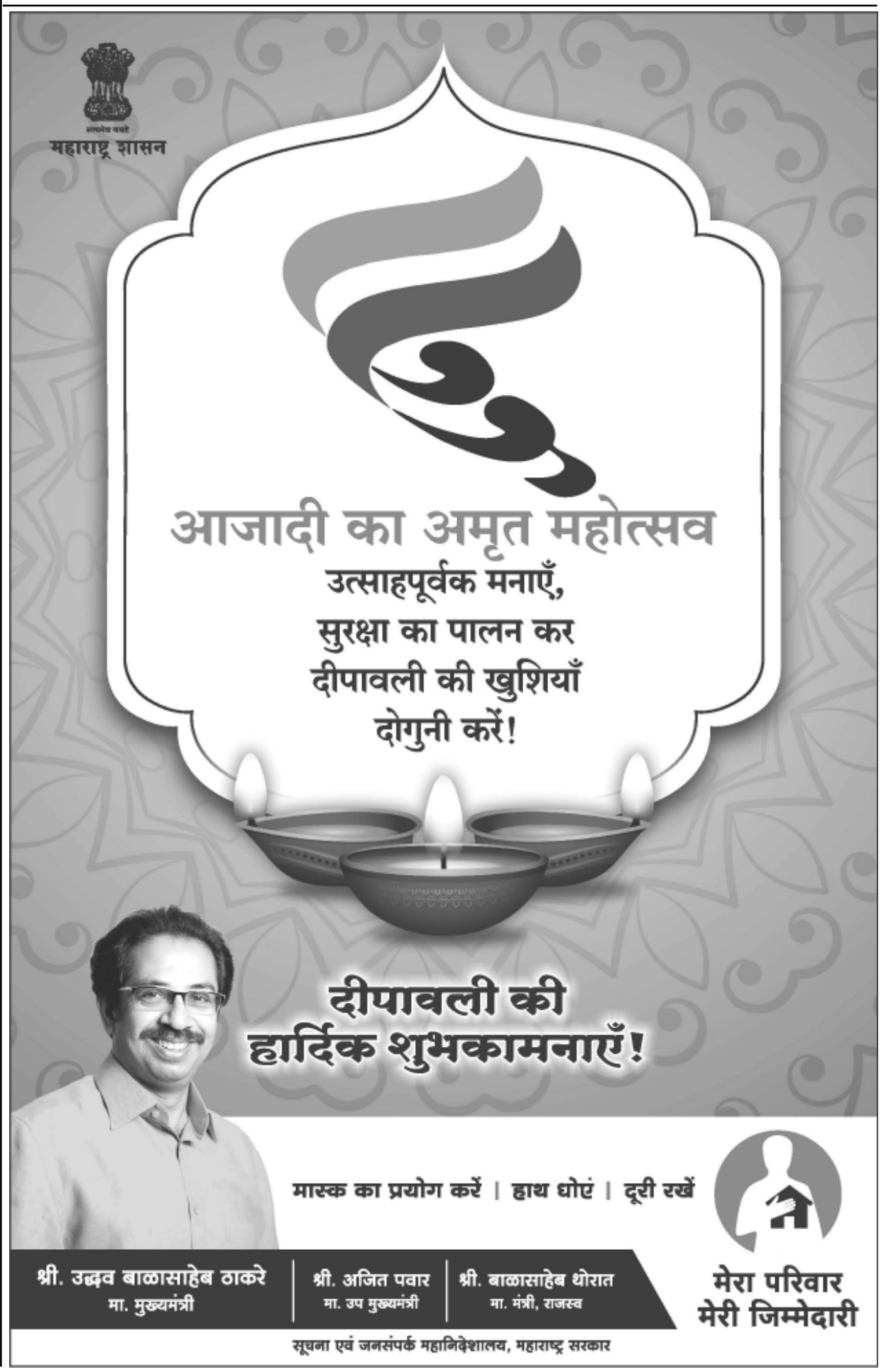

लोकल पुलिस की जवाबदारी तय करके मुंबई को ड्रग्स मुक्त बनाया जा सकता है

मुंबई : मुंबई ड्रग्स की राजधानी तो नहीं बन रही है ना? यह सवाल इसलिए उठता है क्योंकि पिछले ३ सालों में मुंबई पुलिस ने २०८ ड्रग्स विरोधी मामले दर्ज किए हैं और २९८ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस ने आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली को सूचित किया है कि पिछले तीन वर्षों में १३१ करोड.रुपये मूल्य का ३४१४ किलोग्राम माल जब्त किया गया है। पिछले ३ साल में इस साल कार्रवाई ७ गुना बढी है।

अनिल गलगली ने पिछले तीन वर्षों में मुंबई पुलिस से ड्रग्स और अन्य उत्तेजक पदार्थों के बारे में जानकारी मांगी थी। एंटी नारकोटिक्स सेल के सहायक पुलिस आयुक्त संदीप काले ने अनिल गलगली को क्षेत्रीय जानकारी दी हैं। कुल ५ इकाइयाँ कार्यरत हैं जिनमें दक्षिण क्षेत्रीय संभाग- आजाद मैदान इकाई, मध्य क्षेत्रीय संभाग-

अनिल गलगली
आरटीआई कार्यकर्ता

वरली इकाई, पश्चिम क्षेत्रीय संभाग-बांद्रा, पूर्वी क्षेत्रीय संभाग- घाटकोपर इकाई, उत्तर क्षेत्रीय संभाग- कांदिवली इकाई। अनिल गलगली को एनडीपीएस के तहत वर्ष २०१९, वर्ष २०२० और वर्ष २०२१ (२०/१०/२०२१ तक) तक की गई कार्रवाई से अवगत करा दिया गया है। इन विभिन्न ड्रग्स में कैनबिस, हशीश, एमडी, कोकीन,

एमडीएमए, कोडीन, अफीम, एलएसडी पेपर, एल्परजोम, नेट्रावेट टैबलेट शामिल हैं।

२०२१ में सबसे ज्यादा ड्रग्स जब्त : २०१९ और २०२० की तुलना में ड्रग्स विरोधी सेल २०२१ में अधिक सक्रिय हो गया है और २० अक्टूबर २०२१ तक कार्रवाई ७ गुना बढ.गई है। वर्ष २०१९ में १३४३ स्ट्रिप्स, ७५७७ बोतल और १५५१ डॉट मिलीग्राम सहित ३९४.३५ किलोग्राम माल जब्त किया गया था। कुल लागत २५.२९ करोड़ रुपये है। वर्ष २०२० में ५१९१ बोतल, ६६००० टैब १४ डॉट मिलीग्राम सहित ४२७.२७७ किलोग्राम माल जब्त किया गया। कुल लागत २२.२४ करोड़ रुपये है। २० अक्टूबर, २०२१ को २५९२.९३ किलोग्राम माल जब्त किया गया और ८३.१९ करोड.रुपये मूल्य के १५८३० बोतलें और १८९ एलएसडी कागज़ जब्त किए हैं।

२०२१ में सबसे ज्यादा अपराध और गिरफ्तार : एंटी-नारकोटिक्स सेल ने वर्ष २०१९ और वर्ष २०२० की तुलना में वर्ष २०२१ में सबसे अधिक अपराध दर्ज किए और सबसे अधिक गिरफ्तारी भी हुई। २० अक्टूबर, २०२१ तक कुल ९४ अपराध दर्ज किए जा चुके हैं जिनमें १३७ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वर्ष २०१९ में ७० मामलों में १०३ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया, जबकि वर्ष २०२० में ४४ मामले दर्ज किए गए जिनमें गिरफ्तार किए गए आरोपियों की संख्या ५८ थी।

अनिल गलगली के मुताबिक, अगर स्थानीय स्तर पर अपराध बढ़े हैं तो थाने की जिम्मेदारी तय की जाए। ऐसा इसलिए है क्योंकि ड्रग विरोधी प्रकोष्ठ को एक बार सूचना मिलने के बाद कार्रवाई में समय लग जाता है और कभी-कभी आरोपी फरार हो जाता है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर जन जागरूकता और कठोर कार्रवाई की उम्मीद है।

पहला डायग्नोस्टिक सेंटरवाला अस्पताल बना कस्तूरबा!

पुरानी इमारतों के पुनर्निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी

मुंबई : किसी भी नई बीमारी की जांच और उसके इलाज में मनपा का कस्तूरबा अस्पताल हमेशा आगे रहा है। वहां मौजूदा समय में तीन प्रयोगशालाएं (लैब) हैं, जिनमें क्लिनिकल प्रयोगशाला, माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला और बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला का समावेश है। जिस इमारत में ये प्रयोगशालाएं हैं, वह अब जर्जर हो चुकी है। इस इमारत के पुनर्विकास के लिए मनपा ने तैयारी दर्शाई है, इसके लिए मनपा ने एक प्रस्ताव पास किया है। यहां की तीनों प्रयोगशालाएं मुंबईकरों के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। यदि ये बंद हो जाती हैं तो मुंबईकरों के लिए संकट खड़ा हो सकता है। ऐसे में मनपा ने विकल्प तलाशते हुए बगल में ही नई इमारत बनाने का फैसला किया है। इस लैब के नए स्वरूप के निर्माण पर अरबों रुपए खर्च किए जाएंगे।

एक अधिकारी ने बताया कि क्लिनिकल लैब, माइक्रोबायोलॉजी लैब और बायोकेमिस्ट्री लैब में जांच की गतिविधियों को नहीं रोक सकते क्योंकि नियमित रूप से कोरोना मरीजों के सैंपल की जांच भी यहीं की जाती है। जब प्रयोगशाला भवन की मरम्मत का काम शुरू होगा तो प्रयोगशाला भवन को खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट करना होगा। लैब की मशीनों को स्थानांतरित करते समय उन्हें बंद रखना पड़ता है। इससे मरीजों की बीमारी का इलाज प्रभावित होगा। इसलिए आवश्यक सेवा-सुविधाओं के साथ एक नई लैब स्थापित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि लैब में इस्तेमाल होनेवाली मशीनें ५०० से १२०० किलो तक वजनी होती हैं और इन्हें एक जगह से दूसरी जगह सीढ़ियों से ले जाना मुश्किल होता है। यदि क्लिनिकल लैब, माइक्रोबायोलॉजी लैब और बायोकेमिस्ट्री लैब के लिए डायग्नोस्टिक सेवाएं किसी नए स्थान पर स्थापित की जाती हैं तो आवश्यक सेवा सुविधाएं बांधित नहीं होंगी।

पहला डायग्नोस्टिक सेंटरवाला अस्पताल : कोरोना (पृष्ठ 3 पर)

सेवा की मिसाल, कस्तूरबा अस्पताल

मनपा का कस्तूरबा अस्पताल मुंबई का एकमात्र संक्रामक रोग का अस्पताल है। यहां इलाज के लिए रोजाना मुंबई और मुंबई के बाहर से बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। अस्पताल में कुल ५१५ बेड्स की क्षमता है। यहां वर्ष १९९२ से जले हुए रोगियों के लिए एक अलग वार्ड शुरू किया गया है। इसी तरह स्वाइन फ्लू के मरीजों के इलाज के लिए दो अलग-अलग वॉर्ड बनाए गए हैं।

जंबो कोविड सेंटर्स होंगे बंद

दिसंबर तक वेट एंड वाच की स्थिति में मनपा

मुंबई : कोरोना के मामले अब धीरे-धीरे खत्म होने की कगार पर है या यूं कहें कि कोरोना दम तोड़ रहा है। इसके पीछे दो वजह है, पहले मनपा ने सफल नीतियों से इसके प्रसार को न्यूनतम कर दिया है तो दूसरी तरफ वैक्सीनेशन अभियान को तीव्र गति से आगे बढ़ा रही है। ऐसे में मुंबईकरों को बड़ी राहत देखने को मिल रही है। मनपा अधिकारी के अनुसार यदि सब कुछ इसी तरह रहा और कोरोना और कम हुआ तो दिसंबर के बाद सभी जंबो कोविड सेंटर को बंद कर दिया जाएगा।

मुंबई में फिलहाल ६ जंबो कोविड सेंटर हैं। इन सभी में अब बहुत कम मरीज बचे हैं, कुछ तो पूरी तरह से खाली हो गए हैं। इन जंबो कोविड सेंटर्स पर होनेवाला खर्च मनपा वहन कर रही है, जो अब बेकार खर्च के रूप में गिना जा रहा है।

इस बारे में जानकारी देते हुए मनपा के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकाणी ने बताया कि मौजूदा (पृष्ठ 3 पर)

पुणे में पानी की मोटर खोलने पर हुआ विवाद, दंपत्ति की लोहे की रॉड से की पिटाई

पुणे : पुणे में पानी पीने के लिए मोटर चालू करने की वजह से हुए विवाद में दो गुटों में मारपीट का मामला सामने आया है। यह घटना पुणे के आलंदी की है। जहां पीने का पानी भरने के लिए मोटर शुरू

करने गए दंपती पर एक परिवार ने लोहे के रॉड और लाठियों से हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस स्टेशन में दोनों परिवारों ने एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। (पृष्ठ 3 पर)

मालक, मुद्रक, प्रकाशक **वसिम जे. खान** ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई-४०० ०८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५/डी/१, शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई-४०० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादक : **वसिम जे. खान** (मो. ७०२१४२५४४२) **RNI No. : MAHHIN/2011/24374**
E-mail : harpaltimes.press@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित लेखों एवं खबरों से संपादक एवं संचालक का सहमत होना आवश्यक नहीं। किसी भी विवाद के लिए न्यायकक्ष मुंबई होगा।)